" अंतरी पेटवू ज्ञानज्योत "
उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ, जळगांव.

अंको का विभाजन

एम. ए. [हिन्दी] प्रथम वर्ष.

प्रश्न पत्र : एक - आधुनिक गद्य पूर्णांक १००

प्रश्न १ :	कहानी विधा पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	२०
	अथवा	
	पठित कहानियों पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	[२०]
प्रश्न २ :	उपन्यास विधा पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	२०
	अथवा	
	पठित उपन्यास पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	[२०]
प्रश्न ३ :	नाटक विधा पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	२०
	अथवा	
	पठित नाटक पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	[२०]
प्रश्न ४ :	निबन्ध विधा पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	२०
	अथवा	
	पठित निबन्धों पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	[२०]
प्रश्न ५ :	जीवनी/आत्मकथा पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	२०
	अथवा	
	पठित जीवनी/आत्मकथा पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	[२०]
प्रश्न ६ :	पाँच अवतरणों में से तीन की सप्रसंग व्याख्या	[२०]

विशेष : १. पाँच प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित होंगे।
२. छठा प्रश्न अनिवार्य होगा।

xxxxxxxxx

प्रश्न पत्र दो : प्राचीन काव्य

प्रश्न १ :	आदिकाल के कवि पर एक दीर्घोत्तरी प्रश्न	[२०]
	अथवा	
	आदिकाल के कवि पर एक दीर्घोत्तरी प्रश्न	२०
प्रश्न २ :	भक्तिकालीन कवि [१] पर एक दीर्घोत्तरी प्रश्न	
	अथवा	
	भक्तिकालीन कवि [१] पर एक दीर्घोत्तरी प्रश्न	[२०]
प्रश्न ३ :	भक्तिकालीन कवि [२] पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	२०
	अथवा	
	भक्तिकालीन कवि [२] पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	[२०]
प्रश्न ४ :	रीतिकालीन कवि [१] पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	२०
	अथवा	
	रीतिकालीन कवि [१] पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	[२०]

....२

प्रश्न ५ : रीतिकालीन कवि [२] पर दीर्घोत्तरी प्रश्न — २०

अथवा

रीतिकालीन कवि [२] पर दीर्घोत्तरी प्रश्न — [२०]

प्रश्न ६ : पाँच पद्यांशो में से तीन की ससन्दर्भ व्याख्या. — [२०]

विशेष : कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित होंगे।

छठा प्रश्न अनिवार्य होगा।

****

प्रश्न पत्र तीन : भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र तथा आलोचना।

प्रश्न पत्र तीन दो विभागों में विभाजित होगा। "अ" भाग में तीन दीर्घोत्तरी प्रश्न तथा एक "दो टिप्पणियों वाला प्रश्न" होगा। इनमें से दो के उत्तर अपेक्षित होंगे। यह विभाग भारतीय काव्यशास्त्र से सम्बद्ध होगा

"ब" भाग में भी तीन दीर्घोत्तरी प्रश्न तथा एक " दो टिप्पणियों वाला प्रश्न होगा "। तीन दीर्घोत्तरी प्रश्न पाश्चात्य काव्यशास्त्र पर आधारित होंगे तथा टिप्पणियों वाला प्रश्न आलोचना पर आधारित होगा। आलोचना वाला प्रश्न अनिवार्य होगा।

आलोचना वाले अंश पर अन्तर्गत विकल्प के साथ दो प्रश्न भी दिये जा सकते हैं, एक दीर्घोत्तरी और दूसरा टिप्पणियों वाला।

अंक विभाजन : २० x ५ =१००

****

प्रश्न पत्र चार : [अ] विशेष साहित्यकार : कबीर

१] इस प्रश्न पत्र में आठ प्रश्न होंगे।

२] पहले सात प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित होंगे।

३] आठवाँ प्रश्न ससन्दर्भ व्याख्या से सम्बद्ध होगा। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। पाँच अवतरणों में से तीन के उत्तर अपेक्षित हैं।

४] सात प्रश्नों में से एक या दो प्रश्न " दो टिप्पणियों वाले" भी हो सकते हैं। शेष दीर्घोत्तरी प्रश्न होंगे।

अंक विभाजन :२०x५=१००

प्रश्न पत्र चार [आ] विशेष साहित्यकार नाटककार - जय शंकर प्रसाद

* इस प्रश्न पत्र में छह दीर्घोत्तरी प्रश्न तथा दो "दो टिप्पणियों वाले प्रश्न" पूछे जायेंगे, जिनमें से कुल मिलाकर पाँच के उत्तर अपेक्षित होंगे।

इस प्रश्न पत्र में नाटक के स्वरूप और तत्व पर एक प्रश्न, नाटक के विकास पर एक प्रश्न तथा प्रसाद के नाटकों की वस्तुगत और शैलीगत विशेषताओं पर एक प्रश्न होगा।

शेष पाँच प्रश्न निर्धारित नाटकों पर होंगे ।

अंकविभाजन 20×5=100

प्रश्न पत्र ४ [इ] विशेष साहित्यकार - कवयित्री महादेवी वर्मा.

इस प्रश्न पत्र में महादेवी वर्मा के निर्धारित काव्य ग्रन्थों पर सात प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से चार के उत्तर अपेक्षित होंगे। इनमें से पाँच दीर्घोत्तरी प्रश्न होंगे तथा दो " दो टिप्पणियों वाले प्रश्न"।

आठवाँ प्रश्न सन्दर्भ व्याख्या का होगा यह प्रश्न अनिवार्य होगा।

प्रश्न पत्र ४ [ई] विशेष विधा : उपन्यास.

इस प्रश्नपत्र में उपन्यास के स्वरूप तत्व और विकास पर एक प्रश्न होगा।

आठ प्रश्न निर्धारित उपन्यासों पर होंगे।

इन नौ प्रश्नों में से एक या दो "दो टिप्पणियों वाले प्रश्न" भी हो सकते हैं।

कुल मिलाकर पाँच प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।

प्रश्न पत्र ४ [उ] हिन्दी नाटक और रंगमंच

इस प्रश्न पत्र में आठ प्रश्नों में से पाँच के उत्तर अपेक्षित है। एक प्रश्न नाटक के स्वरूप, तत्व शैली और विकास पर आधारित होगा तथा सात प्रश्न निर्धारित में से हिन्दी सात नाटकों पर। पूरे पाठ्यक्रम का समावेश करने के लिए अन्तर्गत विकल्पवाले प्रश्न पूछे जा सकते है।

प्रश्न पत्र ४ [ऊ] मराठी सन्तों का हिन्दी काव्य

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित कवियों की रचनाओं पर सात समीक्षात्मक प्रश्नों में से चार उत्तर अपेक्षित है।

आठवाँ प्रश्न सन्दर्भसहित व्याख्या का होगा, जो अनिवार्य होगा

कुल मिलाकर पाँच प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है।

समीक्षात्मक प्रश्नों में एक-दो टिप्पणीनुमा प्रश्नों का समावेश हो सकता है।

*****०*****

...७

एम. ए. [हिन्दी] द्वितीय वर्ष

प्रश्न पत्र : पाँच : आधुनिक काव्य.

इस प्रश्न-पत्र में छह प्रश्न होंगे। पाँच प्रश्न समीक्षात्मक होंगे और एक प्रश्न सन्दर्भ सहित व्याख्या के लिए होगा। इनमें से पाँच के उत्तर अपेक्षित हैं।

पाँच निर्धारित काव्यग्रन्थों पर एक-एक प्रश्न, अन्तर्गत विकल्प के साथ, पूछा जायेगा। इन पाँच प्रश्नों में से चार के उत्तर अपेक्षित होंगे।

छठा प्रश्न व्याख्या का होगा, जिसमें, पाँच काव्यावतरणों में से तीन की व्याख्या अपेक्षित होगी। यह प्रश्न अनिवार्य होगा।

इस प्रकार कुल मिलाकर पाँच प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।

अंक विभाजन २०×५=१००

प्रश्न पत्र : छह : भाषा विज्ञान, समाज भाषा विज्ञान तथा हिन्दी भाषा.

इस प्रश्न पत्र में तीन विभाग होंगे।

[अ] तीन प्रश्न वर्णनात्मक भाषा विज्ञान पर पूछे जायेंगे जिनमें से दो के उत्तर अपेक्षित हैं।

[ब] दो प्रश्न समाज भाषा विज्ञान पर होंगे, जिनमें से एक का उत्तर अपेक्षित है।

[क] तीन प्रश्न हिन्दी भाषा के स्वरूप और विकास पर होंगे जिन में से दो के उत्तर अपेक्षित हैं।

इन आठ प्रश्नों में एक या दो प्रश्न "दो टिप्पणियों वाले" हो सकते हैं।

प्रश्न पत्र : सात - हिन्दी साहित्य का इतिहास.

इस प्रश्नपत्र में दो विभाग होंगे। "अ" विभाग में हिन्दी साहित्य के आदिकाल भक्ति काल और रीतिकाल पर चार प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से दो के उत्तर अपेक्षित हैं।

"ब" विभाग में आधुनिक काल पर पाँच प्रश्न होंगे, जिनमें से तीन के उत्तर अपेक्षित हैं।

कुल मिलाकर पाँच प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। इनमें से एक दो प्रश्न टिप्पणियों के हो सकते हैं।

अंक विभाजन २०×५=१००

प्रश्न पत्र आठ [क] : हिन्दी आलोचना : विकास और प्रमुख आचार्य.

इस प्रश्न पत्र में आठ प्रश्नों में से पाँच के उत्तर अपेक्षित हैं। एक-दो प्रश्न टिप्पणियों के हो सकते हैं।

अंक विभाजन २०x५=१००

प्रश्न पत्र आठ [ख] : शैली विज्ञान

इस प्रश्न पत्र में भी आठ प्रश्नों में से पाँच के उत्तर अपेक्षित हैं। एक-दो प्रश्न टिप्पणियों के हो सकते हैं।

अंक विभाजन २०x५ =१००

प्रश्न पत्र आठ [ग] : अनुवाद विज्ञान

इस प्रश्न पत्र का स्वरूप भी उपरिवत् होगा।

प्रश्न पत्र आठ [घ] : सौन्दर्य शास्त्र : भारतीय एवं पाश्चात्य.

इस प्रश्न पत्र में दो विभाग होंगे।

[अ] इस विभाग में सौन्दर्य शास्त्र के भारतीय दृष्टिकोण पर आधारित चार प्रश्नों में से दो के उत्तर अपेक्षित हैं।

[ब] इस विभाग में पाँच प्रश्नों में से तीन के उत्तर अपेक्षित हैं। अन्तिम प्रश्न अनिवार्य होगा जो साहित्यिक कृतियों के सौन्दर्यशास्त्रीय मूल्यांकन पर आधारित होगा।

अंक विभाजन २०x५=१००

प्रश्न पत्र आठ [च] प्रयोजन मूलक हिन्दी .

इस प्रश्न पत्र में दो विभाग होंगे।

[अ] विभाग में भाषा की प्रयुक्तियों, शैलियों वर्तनी की समस्याओं, व्याकरणिक नियमों एवं पारिभाषिक शब्दावली से सम्बन्धित विषयों पर पूछे गए पाँच प्रश्नों में से तीन के उत्तर अपेक्षित हैं।

[ब] विभाग में कार्यालयीन शब्दावली, व्यापारिक पत्र-लेखन, आवेदन पत्र, अन्य पत्राचार, टिप्पण लेखन, संक्षेपण पर व्यावहारिक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें अन्तर्गत विकल्प सम्भव होगा। "ब" विभाग में चार प्रश्न या उपप्रश्न होंगे जिनके लिए १० - १० अंक निर्धारित हैं।

अंक - विभाजन [अ] २० x ३ = ६० अंक
[ब] १० x ४ = ४० अंक

प्रश्न पत्र आठ [छ] लोक साहित्य.

लोकसाहित्य पर आठ प्रश्नों में से पाँच के उत्तर अपेक्षित हैं। एक या दो प्रश्न टिप्पणियों के हो सकते हैं।

विशेष :- * प्रश्न पत्र में यथासंभव सम्पूर्ण पाठ्यक्रम का समावेश होगा।
* एक दीर्घोत्तरी प्रश्न के बदले आवश्यकतानुसार दो टिप्पणीनुमा प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

सौरसे/*

******0******